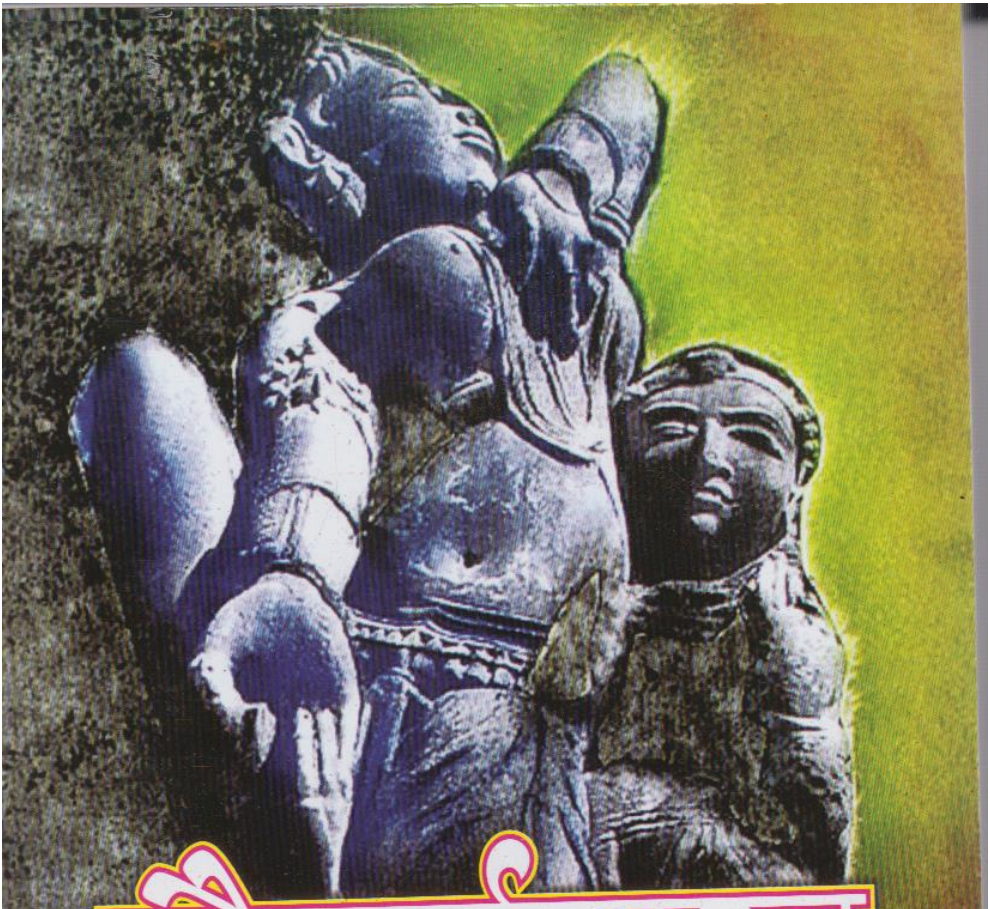

सौन्दर्यशास्त्र

डॉ. ममता चतुर्वेदी

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)
भारत सरकार

राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

विषय-सूची

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या

प्रथम खण्ड

सौन्दर्यशास्त्र : एक परिचय

1. **सौन्दर्यशास्त्र : एक परिचय** 3-19
   सौन्दर्यशास्त्र का उद्भव, सौन्दर्यशास्त्र एवं काव्यशास्त्र का पारस्परिक सम्बन्ध, सौन्दर्य, कला, ललित कलाओं का अन्त:सम्बन्ध।

द्वितीय खण्ड

पाश्चात्य सौन्दर्यशास्त्र

1. **प्रारंभिक युग : यूनानी एवं रोमन** 23-50
   पाइथागोरस, सुकरात, प्लटो, अरस्तू, होरेस, कुन्तिलियन।

2. **मध्ययुग : नव प्लेटोवाद** 51-62
   सिसरो, लौंजाइनस, प्लाटिनस, संत आगस्टाइन, थॉमस एक्विनास।

3. **पुनरुत्थान एवं नव-शास्त्रीय युग** 63-78
   पुनरुत्थान काल : सान्द्रो बोत्तिसेली, लियोनार्डो-द-विन्सी, माइकेलान्जेलो ब्रुओनारोटि। **नव शास्त्रीय युग :** फ्रांन्सिस बेकन, रेने देकार्त, हॉब्स, जॉन ड्राइडन जी.डब्ल्यू लाइबनीज, स्पिनोजा।

4. **आंग्ल (ब्रिटिश) अनुभववादी सौन्दर्यशास्त्र** 79-91
   लॉक, जॉर्ज बर्कले, लॉर्ड केमस, विलियम होगार्थ, शैफ्टसबरी, फ्रांसिस हचिसन, एडीसन, डेविड ह्यूम, एडमंड बर्क।

5. **जर्मन सौन्दर्यशास्त्र : बुद्धिवादी सौन्दर्यशास्त्र** 92-134
एलेक्जेण्डर बाउमगार्टेन, जे.जी. सुल्जर, एम. मेन्डलसन, विन्किलमान, जी.ई. लेसिंग, जे.जी. हर्डर, हाइन्स, इमानुएल कांट, गेटे, डब्ल्यू.वी. हम्बोल्ट। **रोमांसवादी सौन्दर्य शास्त्र :** एफ. शिलर, फिक्टे, शेलिंग, हीगेल, आर्थर शापेनहॉवर, फ्रेडरिख नीत्शे, विलियम वर्ड्सवर्थ, कॉलरिज।

6. **अभिव्यंजनावाद** 135-151
बेनादतो क्रौचे : स्वतन्त्र सौन्दर्यशास्त्र की स्थापना।

7. **फ्रान्सीसी कलावादी सिद्धान्त** 152-157
मूलभूत सिद्धान्त, रोजर फ्राय, क्लाइव बेल।

8. **रूसी भौतिकवादी एवं मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र** 158-173
पूर्व मार्क्सवादी विचारक : बी.जी. बोलिन्सिकी, एन.जी. चर्निशेवस्की। **मार्क्सवादी विचारक :** कार्ल मार्क्स, द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद, लियो टॉल्सटॉय।

9. **मनोवैज्ञानिक सौन्दर्यशास्त्र** 174-184
थियोडोर लिप्स, सिगमंड फ्रायड, अलफ्रैड एडलर, कार्ल गुस्ताव युंग।

10. **आधुनिक सौन्दर्यशास्त्र** 185-202
जॉन रस्किन, आई.ए. रिचर्ड्स, आर.जी. कलिंगवुड, जॉर्ज संतायना, हर्बर्ट रीड, सूजन के लैंगर, वर्नन ली, विल्हेल्म वारिंजर, आस्कर वाइल्ड, जैक्वी मैरितां, यूगेन वेरोन, सैमुअल अलेक्जेण्डर।

तृतीय खण्ड
भारतीय सौन्दर्यशास्त्र

1. **सौन्दर्यशास्त्र की भारतीय परम्परा** 205-212
उद्भव व विकास

2. **प्राचीन ग्रन्थों एवं साहित्य में कला व सौन्दर्य** 213-251
प्राचीन संस्कृत साहित्य : रामायण, महाभारत, अष्टाध्यायी, अर्थशास्त्र, कामसूत्र-षंड़ाग, नाट्यशास्त्र, महाकवि कालिदास के साहित्य में कला व सौन्दर्य, विष्णु धर्मोत्तर पुराण, चित्रलक्षण, **मध्यकालीन साहित्य :** समरांगणसूत्रधार, मानसोल्लास, मानसार, पंचदशी, जैन, बौद्ध एवं चीन का सौन्दर्य दर्शन, चीन का सौन्दर्य दर्शन : चीनी षडांग।

3. **भारतीय सौन्दर्य तत्त्व : रस सिद्धान्त** 252-271
रस शब्द की व्युत्पत्ति, विकास एवं शास्त्रीय रूप। **भरत मुनि :** निष्पत्तिवाद। **रस सिद्धान्त के व्याख्याकार : भट्ट लोल्लट :** उत्पत्तिवाद; **श्रीशंकुक :** अनुमितिवाद; भट्ट तौत; **भट्ट नायक :** भुक्तिवाद; **अभिनवगुप्त :** अभिव्यक्तिवाद।

4. **भारतीय काव्यशास्त्र के अन्य व्याख्याकार एवं मत** 272-277
ध्वनि सिद्धान्त : आनंदवर्धन; **अलंकार सिद्धान्त :** आचार्य भामह; **रीति मत :** आचार्य वामन; **औचित्य सिद्धान्त :** आचार्य क्षेमेन्द्र।

5. **साधारणीकरण तथा रसानुभूति** 278-289
साधा ीकरण, रसानुभूति एवं सौन्दर्यबोध, चित्रकला में रस निष्पत्ति तथा साधारणीकरण।

6. **आधुनिक सौन्दर्य विचारक** 290-305
रवीन्द्रनाथ ठाकुर, आनंद कुमारस्वामी, ई.बी. हैवेल, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, जयशंकर प्रसाद, डॉ. कांतिचन्द्र पाण्डेय, डॉ. सुरेन्द्रनाथ दासगुप्त, पंचपगेश शास्त्री, डॉ. नगेन्द्र।

परिशिष्ट

1 प्रमुख सहायक ग्रन्थ 306-307
1 पारिभाषिक शब्दावली 308-311
1 नामानुक्रमणिका 312-319

❑❑❑